FORM B

PUBLIC ANNOUNCEMENT

(Regulation 12 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Liquidation Process) Regulations, 2016)

FOR THE ATTENTION OF THE STAKEHOLDERS OF

[J. KHETSIDAS MACHINE TOOL WORKS PRIVATE LIMITED]

Sl. No.	**PARTICULARS**	**DETAILS**
1.	Name of Corporate Debtor	J. Khetsidas Machine Tool Works Private Limited
2.	Date of incorporation of corporate debtor	25th January, 2014
3.	Authority under which corporate debtor is incorporated / Registered	Registrar of Companies (ROC)- Jharkhand
4.	Corporate Identity No. / Limited Liability Identification No. of corporate debtor	U29100JH2014PTC001916
5.	Address of the registered office and principal office (if any) of corporate debtor	Manjhiladih Gadi Srirampur, Giridih, Jharkhand – 815301
6.	Date of closure of Insolvency Resolution Process	09.04.2026 (Day prior to Liquidation order was passed by the Hon'ble Bench)
7.	Liquidation commencement date of corporate debtor	10.04.2026 (Copy of Order uploaded in NCLT Website on 21.04.2026)
8.	Name and registration number of the insolvency professional acting as liquidator	Mr. Rajesh Kumar Agrawal (Reg. No. IBBI/IPA-001/IP-P01023/2017-2018/11722)
9.	Address and e-mail of the liquidator, as registered with the Board	Address: 1, Ganesh Chandra Avenue, 3rd Floor, Room No-301, Kolkata – 700 013 Email Id: rajesh521@yahoo.com
10.	Address and e-mail to be used for correspondence with the liquidator	Address: 1, Ganesh Chandra Avenue, 3rd Floor, Room No-301, Kolkata – 700 013 Email Id: cirp.jkhetsidasmachine@gmail.com
11.	Last date for submission of claims	20.05.2026 (within 30 days from the date of receipt of Order)

Notice is hereby given that the National Company Law Tribunal (Kolkata Bench) has ordered the commencement of liquidation of **M/s J. Khetsidas Machine Tool Works Private Limited** on 10.04.2026 (Order uploaded in NCLT Website on 21.04.2026) *under section 33 of the Code*.

The stakeholders of **M/s J. Khetsidas Machine Tool Works Private Limited** are hereby called upon to submit their claims with proof on or before 20.05.2026 to the liquidator at the address mentioned against item No.10.

The Financial Creditors shall submit their claims with proof by electronic means only. All other creditors may submit the claims with the proof in person, by post or by electronic means.

Submission of false or misleading proof of claims shall attract penalties.

R K Agrawal

Mr. Rajesh Kumar Agrawal
Liquidator of J. Khetsidas Machine Tool Works Private Limited
(IBBI/IPA-001/IP-P01023/2017-2018/11722)
AFA valid till 31/12/2026

Date: 21.04.2025
Place: Kolkata

आग व धंसान प्रभावित धनबाद-बोकारो सड़क के अस्तित्व पर सवाल, राजगंज-महुदा वैकल्पिक सड़क बनने के बाद साज के हवाले कर दिया गया था

सड़क बचाने के लिए पहले खुदाई, फिर भराई करनी होगी

विशेष

■ मुकेश सिंह

धनबाद। धनबाद-बोकारो सड़क (पहले एनएच-32) के अस्तित्व पर बड़ा सवाल है। केंदुआडीह के पास सड़क के धंसने के बाद विशेषज्ञों के हवाले से बीसीसीएल-प्रशासन को जो जानकारी उपलब्ध है, उसके अनुसार सड़क को सुरक्षित करने के लिए पहले खुदाई करनी होगी, इसके बाद भराई कर नए सिरे से निर्माण करने के बाद ही सड़क को सुरक्षित किया जा सकता है।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि जहां सड़क दबी है, वहां आजादी के पहले (1945 के आसपास) खनन हुआ है। अंदर की स्थिति के बारे में बहुत जानकारी बीसीसीएल के पास भी नहीं है। सड़क को सुरक्षित करने के लिए कितनी गहराई तक खुदाई करनी होगी, यह खुदाई शुरू करने के बाद ही पता चलेगा। खुदाई के दौरान ब्लास्टिंग की भी जरूरत होगी। इसके लिए सड़क के आसपास आबादी को खाली कराए बिना काम शुरू नहीं किया जा सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि खतरा सिर्फ केंदुआडीह के पास ही है, ऐसी बात नहीं है। गोधर से बोकारो जिले की सीमा तक लगभग 25 किलोमीटर तक धनबाद-बोकारो सड़क कोल बियरिंग एरिया में है। 2009 के मास्टर प्लान में ही असुरक्षित बता उक्त सड़क को शामिल किया गया था। केंदुआडीह के अलावा कई अन्य जगहों में भी धनबाद-बोकारो सड़क भूमिगत आग और भू-धंसान प्रभावित क्षेत्र में है।

मालूम हो कि पहले धनबाद-बोकारो सड़क को एनएच-32 के नाम से जाना जाता था। वैकल्पिक मार्ग के रूप में राजगंज-महुदा एनएच बन जाने के बाद यह सड़क साज यानी स्टेट अथॉरिटी के अधीन चली गई है। यानी सड़क को सुरक्षित करने के लिए अब राज्य सरकार के स्तर से ही पहल होगी। अंदरखाने जो सूचना है, उसके अनुसार धनबाद प्रशासन सड़क को सुरक्षित बनाने के लिए पहल कर रहा है, वैसे इसमें कई परेशानियां हैं। फिलहाल परिवर्तित मार्ग से परिचालन हो रहा है।

केंदुआ के पास आग और भू-धंसान प्रभावित धनबाद-बोकारो सड़क की मरम्मत के लिए मंगलवार को मशाल जुलूस निकालते लोग।

खतरा

सड़क धंसान: केंदुआडीह में सड़क के धंसने के कारण आवागमन कई बार पूरी तरह ठप हो चुका है, जिससे प्रशासन को बैरिकेडिंग करनी पड़ी है। स्थान: मुख्यरूप से गोधर-कुर्मीडीह बस्ती और केंदुआडीह क्षेत्र, जो झरिया कोयलांचल के अंतर्गत आते हैं, सड़क प्रभावित है।

भूमिगत आग का प्रभाव: जमीन के नीचे लगी आग के कारण जमीन खोखली हो गई है, जिससे अचानक जमीन बैठने से बड़े हादसे का डर बना रहता है।

गैस रिसाव: क्षेत्र में गैस का रिसाव एक बड़ी समस्या है, जिससे लोगों के बीमार होने व जान जाने की घटनाएं भी हुई हैं।

आबादी पर खतरा: भू-धंसान व आग से फिलहाल 535 से अधिक परिवारों पर विस्थापन का खतरा मंडरा रहा है।

धंसी सड़क की मरम्मत की मांग को ले मशाला जुलूस

पुटकी, प्रतिनिधि। धनबाद बोकारो ओल्ड नेशनल हाईवे 32 की धंसी सड़क की मरम्मत की मांग व भू-धंसान व गैस रिसाव से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पुनर्वासित करने में बीसीसीएल व जिला प्रशासन की उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए स्थानीय नागरिकों ने मंगलवार की शाम केंदुआ चिल्ड्रन पार्क बसेरिया मोड़ से करकेंद तक मशाल जुलूस निकाला। जुलूस का नेतृत्व आजसू के जिलाध्यक्ष मटू महतो ने किया। कहा कि निरसा विधायक अरूप चटर्जी के नेतृत्व में जनांदोलन किया जाएगा। 23 अप्रैल को विधायक समस्या को लेकर डीजीएमएस व डीसी से मिलेंगे। मशाल जुलूस में सैकड़ों की संख्या में केंदुआ राजपूत बस्ती, पांच नंबर, केंदुआडीह नया धौड़ा के प्रभावित शामिल हुए। केंदुआ बाजार के व्यवसायों ने भी समर्थन किया। जुलूस में मौके पर जीतू पासवान, कृष्णा राउत, दीनानाथ सिंह, रणजीत मधेशिया, उपेंद्र श्रीवास्तव, मोनू पाठक, मो जाहिद, दीनानाथ ठाकुर, गणेश दास आदि थे।

विधायक ने जीएम से बात कर जताई नाराजगी

जुलूस के बाद विधायक राज सिन्हा भी केंदुआडीह पहुंचे। बीसीसीएल के जीएम से फोन पर बात कर सड़क को ठीक नहीं करने पर नाराजगी जताई। कहा कि छह दिन पहले केंदुआडीह में सड़क धसी थी। बैरिकेडिंग कर बीसीसीएल व जिला प्रशासन अपनी जवाबदेही भूल गया।

शहर 30s

गैर तकनीकी के लिए हुई दक्षता परीक्षा

धनबाद। होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया के तहत मंगलवार को शहरी गैर-तकनीकी श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा ली गई। का आयोजन किया गया। अभ्यर्थियों की संख्या 2990 है। इनकी बहाली प्रक्रिया पूरी करने में तीन दिन लगे। मंगलवार को अंतिम दिन की बहाली में 58 अभ्यर्थी सफल हुए। बुधवार शहरी तकनीकी श्रेणी के अभ्यर्थियों की परीक्षा होगी। कुल 996 अभ्यर्थियों का एनरोलमेंट किया गया है, जिसमें 48 महिला अभ्यर्थी हैं। 23 को रिजर्व डे रखा गया है।

कोऑर्डिनेटर के लिए आवेदन मांगे

धनबाद। बीबीएमकेयू धनबाद ने स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मास कम्युनिकेशन के लिए कोऑर्डिनेटर की खोज शुरू कर दी है। बीबीएमकेयू के पीजी विभाग व अंगीभूत कॉलेजों के शिक्षकों से एक सप्ताह के अंदर आवेदन मांगा गया है। रजिस्ट्रार ने इस संबंध में पत्र जारी किया है।

कस्तूरबा निरसा से एक शिक्षिका हटाई गई, तीन शिक्षक भेजे गए

■ कस्तूरबा विद्यालय निरसा का सीबीएसई 10वीं का रिजल्ट मात्र 9.59 होने का मामला

■ खराब रिजल्ट पर डीसी गंभीर, 10वीं के सेकेंड बोर्ड एग्जाम में बेहतर रिजल्ट की कवायद तेज

धनबाद, मुख्य संवाददाता। जिले के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय निरसा (सरकारी सीबीएसई स्कूल) का 10वीं बोर्ड का रिजल्ट मात्र 9.59 फीसदी होने को जिला शिक्षा विभाग ने गंभीरता से लिया है। स्कूल की 73 छात्राओं में से मात्र सात पास हुई हैं। 62 को कंपार्टमेंट व चार फेल हुई है। खराब रिजल्ट के बाद स्थानीय विभाग ने कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पिछले दिनों स्पष्टीकरण मांगा गया था।

मामले में कार्रवाई करते हुए डीईओ अभिषेक झा ने निरसा कस्तूरबा में प्रतिनियुक्त सीमा सिंह का वेतन स्थगित कर दिया गया है। यही नहीं सीमा सिंह का प्रतिनियोजन भी तत्काल प्रभाव से स्थगित करते हुए वापस उच्च विद्यालय पुटकी धनबाद वापस भेज दिया गया है। सेकेंड बोर्ड परीक्षा में इन बच्चों का रिजल्ट बेहतर हो। इस दिशा में स्थानीय विभाग ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। वहीं तीन नए शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति निरसा कस्तूरबा स्कूल में की गई है।

रंजीत कुमार वर्मा गणित व भौतिकी उच्च विद्यालय निरसा व बासुदेव प्रसाद महतो जीव विज्ञान एवं रसायनशास्त्र महेंद्र प्लस टू उच्च विद्यालय बरवापूर्व की प्रतिनियुक्ति कस्तूरबा निरसा में की गई है। विनोद कुमार सिंह उच्च विद्यालय मुगमा निरसा (प्रतिनियोजित उत्क्रमित उच्च विद्यालय पलारपुर निरसा) को अगले आदेश तक के लिए निरसा में प्रतिनियुक्त किया गया है। विनोद सिंह को निर्देश दिया गया है कि व्यक्तिगत रुचि लेते हुए शैक्षणिक अधिगम में सुधार लाने के लिए प्रयास करेंगे। वार्डेन को भी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने के लिए आवश्यक निर्देश दिया गया है। प्रत्येक सप्ताह छात्राओं की प्रगति रिपोर्ट जिला कार्यालय को सौंपनी है।

बताते चलें कि सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में कस्तूरबा विद्यालय निरसा धनबाद का प्रदर्शन बहुत खराब हुआ है। वहीं जिला एसएसएलएनटी स्कूल का रिजल्ट 81.31 फीसदी व जिला स्कूल धनबाद का पास प्रतिशत 80.70 फीसदी है। खराब रिजल्ट को ले डीसी गंभीर है। पिछले दिनों डीईओ अभिषेक झा ने निरसा कस्तूरबा स्कूल का निरीक्षण किया था। खराब रिजल्ट क्यों हुआ है, इसकी तह तक जाने की कोशिश की गई। सभी छात्राओं की कॉपी तक निकलवा कर देखी गई है।

जिले के कई तालाबों का होगा जीर्णोद्धार, निविदा हुई जारी

धनबाद, संवाददाता। लघु सिंचाई प्रमंडल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत विभिन्न जलाशयों एवं बांधों के जीर्णोद्धार कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की है। विभाग की ओर से अलग-अलग योजनाओं के लिए निविदा जारी की गई है।

विभाग के कार्यपालक अभियंता की ओर से जारी सूचना के अनुसार निविदा 27 अप्रैल से 2 मई तक ऑनलाइन जमा की जा सकेगी। 5 मई को दोपहर 2 बजे निविदाएं खोली जाएंगी। सभी कार्यों को 3-4 माह के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इन तालाबों का किया जाएगा जीर्णोद्धार

तोपचांची प्रखंड की ब्रहमडीहा पंचायत में बुद्धा बांध, पावापुर पंचायत में जरूडीह तालाब, बाघमारा की डुमरा नॉर्थ पंचायत में बूढ़ी तालाब, लाल बांध, मिश्रा तालाब, गोबर घारिया तालाब।

इन योजनाओं के तहत बाघमारा प्रखंड के तेलमच्छो पंचायत अंतर्गत कुंजी गांव स्थित सिरसा बांध के जीर्णोद्धार का कार्य कराया जाएगा, जिसकी प्राक्कलित राशि लगभग 23.83 लाख रुपये है।


सहराज स्थित एकलव्य मिडिल स्कूल में स्मार्ट क्लास का उद्घाटन करते अतिथि।

एकलव्य मिडिल स्कूल में 6 स्मार्ट क्लास का उद्घाटन

धनबाद, वरीय संवाददाता। सामाजिक संस्था धनबाद राउंड टेबल 342 ने पूर्वी टुंडी रोड के पास सहराज स्थित एकलव्य मिडिल स्कूल में छह स्मार्ट क्लास का उद्घाटन किया।

मंगलवार को इसके लिए एकलव्य स्कूल में कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर संस्था के सदस्यों ने बताया कि यह परियोजना शिक्षा के क्षेत्र में संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे सैकड़ों जरूरतमंद छात्रों को आधुनिक शिक्षा सुविधा मिलेगी। वर्ष 2019 में स्थापना के बाद से संस्था अब तक 16 कक्षाओं का निर्माण कर चुकी है। संस्था के प्रयासों से शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। यह पहल न केवल छात्रों के भविष्य को संवारने में मददगार होगी, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी।

इस पहल में अनूप गोयल, बलराम अग्रवाल, रंजीत यादव, कुणाल हिमतसिंगका, रोहित अग्रवाल, यश आदित्य, कमल चौधरी, हरगोविंद अग्रवाल, अंकित उपाध्याय, पंकज कुमार गोयल, पुनीत राजगढ़िया, अनुराग गुटगुटिया, सुशांत सिंह, तनुज अग्रवाल, मोहित डालमिया, रचित जैन, आयुष मित्तल, चेतन कुमार तुलस्यान, अंकित दुदानी, विनीत लोहारीवाल, अंकुर चौधरी और सरबजीत सिंह का योगदान रहा।

झरिया में साफ पर्यावरण मुहिम

धनबाद। पर्यावरण और सेहत के बीच सीधे संबंध को सामने लाते हुए आईआईटी धनबाद ने मंगलवार को झरिया माइनिंग एरिया में स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ जीवन-माइनिंग एरिया के लिए पहल नाम से हेल्थ कैंप और अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया। संस्थान के डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग के ईआईएसीपी प्रोग्राम सेंटर बीसीसीएल के साथ मिलकर किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य मिशन लाइफ के तहत लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में आसान और टिकाऊ बदलाव अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इसमें साफ-सफाई रखना, प्रदूषण कम करना और हेल्दी आदतें अपनाने जैसे छोटे-छोटे कदमों के बड़े असर को समझाया गया। हेल्थ चेकअप के साथ-साथ जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए। आईआईटी आईएसएम के विशेषज्ञों ने बताया कि माइनिंग एरिया में पर्यावरण खराब होने का सीधा असर लोगों की सांस संबंधी बीमारियों, पानी की गुणवत्ता और जीवन स्तर पर पड़ता है, इसलिए जागरूकता व्यवहार में बदलाव जरूरी है।

डेफ क्रिकेट में भारत ने नेपाल को हराया


डिगवाडीह टाटा स्टेडियम में डेफ क्रिकेट टूर्नामेंट होने से पूर्व भारत और नेपाल के खिलाड़ी।

धनबाद। झारखंड डेफ क्रिकेट एसोसिएशन तथा ऑल इंडिया क्रिकेट ऑफ द डेफ की ओर से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय डेफ क्रिकेट सीरीज का दूसरा टी-20 मैच मंगलवार को भारत-नेपाल के बीच डिगवाडीह टाटा स्टेडियम में खेला गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम ने 20 ओवर में 104 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 11.2 ओवर में 3 विकेट खोकर 105 रन बनाकर 7 विकेट से मैच जीत लिया। भारत की ओर से कृष प्रजापति ने 54 रन और लोकेश रावल ने 24 रन का योगदान दिया।

झारखंड डेफ क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से खुशानम हुसैन, सोनू कुमार सिंह, सौरभ अरोड़ा और आयुष सिंह का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। आयोजन में ऑल इंडिया क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव कमल किशोर, झारखंड डेफ क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक यादव, सचिव रंजीत कुमार समेत अन्य पदाधिकारियों ने टूर्नामेंट में पूर्ण रूप से सहायता प्रदान की। धनबाद से रोटी बैंक, रवि ग्रोवर, दीपक कुमार सिंह भी मौजूद रहे। सीरीज का फाइनल मुकाबला बुधवार सुबह 8 बजे डिगवाडीह स्टेडियम में खेला जाएगा।

TIMES BUSINESS
THE TIMES OF INDIA, RANCHI | WEDNESDAY, APRIL 22, 2026

Project Completions Look Up In Jan-March

At ₹3.8 lakh crore, project completions in Jan-March, 2026 quarter were the second highest ever, only behind pre-election quarter of March 2024, which witnessed over ₹4-lakh crore worth project completions. The robust performance in March quarter has propelled the total for FY26 to a record of over ₹10 lakh crore

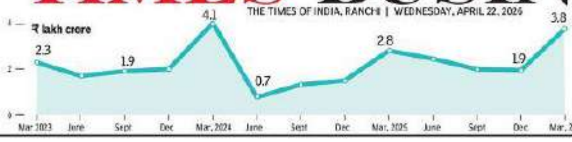

Figs rounded off; Source: CMIE

Why the surge in completions

- The surge in completions in the March 2026 quarter is largely because of some large long-gestation period projects finally getting completed
- The largest project completed in the quarter has been in the works for 21 years; the next for 15 years. These two account for 27% of total completions

Sensex jumps over 750 pts on US-Iran peace talk hopes

Reclaims 79K Level | Broader Markets Also Clock Gains

Mumbai: Stock markets advanced for the third consecutive day on Tuesday, with sensex jumping by 753 points and broader Nifty closing above 24,550 following a drop in crude oil prices and hopes for progress on peace talks between Iran and the US.

The 30-share BSE sensex jumped 753 points to settle at 79,273. During the day, it surged 847 points to 79,367.

The 50-share NSE Nifty climbed 212 points to end at 24,577.

Among the 30-sensex firms, Trent rose the most by 3.6%. Hindustan Unilever, ICICI Bank, Bajaj Finance, HDFC Bank and Axis Bank were the major winners.

Bharat Electronics, Titan, Reliance Industries and NTPC were among the laggards.

A TOTAL OF 2,531 STOCKS ADVANCE

Brent crude, the global oil benchmark, traded 0.8% lower at $94.3 per barrel.

"Indian equity markets traded on a positive note, as investors positioned for a potential near-term de-escalation in West Asia. Energy markets remained in a consolidation phase, as traders balanced hopes of a near-term resolution and a potential reopening of the Strait of Hormuz against ongoing uncertainty around cease-fire negotiations," Ponmudi R, CEO of Enrich Money, an online trading and wealth tech firm, said.

Broader markets also advanced with the BSE MidCap Select index jumping 0.7% and SmallCap Select index by 0.3%.

Among sectoral indices, FMCG rallied the most by 2.2%, followed by Realty (2.2%), MidSmall Private Banks Quality Tilt (1.7%), Private Banks index (1.7%), Top10 Banks (1.7%) and Bankex (1.5%). Capital Goods emerged as the only laggard.

"With the ceasefire deadline arriving tomorrow, all eyes turn to the second round of US-Iran talks — while markets remain hopeful of progress, elevated tensions and uncertain participation make any negative surprise a key downside risk," Siddhartha Khemka — head of research, Wealth Management, Motilal Oswal Financial Services, said. A total of 2,531 stocks advanced, while 1,760 declined and 162 remained unchanged on the BSE. AGENCIES

Rupee slips 28 paise to settle at 93.44 against $

Mumbai: The rupee declined 28 paise to close at 93.44 against the US dollar on Tuesday, weighed down by a steady American currency and volatile crude oil prices amid uncertainties over the progress of West Asia peace negotiations.

Positive domestic equity markets failed to boost local currency, which also had some impact of the Reserve Bank's latest move to ease curbs on speculative bets in non-deliverable forward markets, forex analysts said.

The Reserve Bank on Monday partially withdrew directives taken on April 1 to curb excessive speculation in the rupee. The banking regulator had capped the net open positions in non-deliverable forward markets at $100 million, mandating banks to comply by April 10.

Under revised directives, authorised dealers or banks can resume offering non-deliverable forward contracts involving INR to resident or non-resident users, but must comply with certain restrictions on related party transactions. Also, the $100-million cap in net open position is still effective. At the interbank foreign exchange market, the rupee opened at 93.25 and fell to an intra-day low of 93.53 before ending the session 28 paise lower at 93.44 against the greenback.

On Monday, the rupee settled with a loss of 25 paise at 93.16 against the US dollar. The currency had gained 47 paise in the preceding two sessions.

Anuj Choudhary, research analyst at Mirae Asset ShareKhan, said the rupee fell on uncertainty over US-Iran talks and a surge in crude oil prices. A strong dollar also pressured the rupee; however, positive global markets cushioned the downside.

Meanwhile, the dollar index, which gauges the greenback's strength against a basket of six currencies, rose 0.2% to 98.09. AGENCIES

India's eco likely to grow 6.4% this year, says UN

Projected To Expand 6.6% In 2027: Report

United Nations: India's economy is projected to grow at 6.4% this year and 6.6% in 2027, according to a report by United Nations.

The United Nations Economic and Social Commission for Asia and the Pacific (ESCAP) said in the report that economies in South and South-West Asia grew by 5.4% in 2025, compared to 5.2% in 2024, driven largely by strong growth in India. India's growth edged up to 7.4% in 2025, "supported by robust consumption, especially from the rural economy along with goods and services tax rate cuts, and export frontloading ahead of the US' tariffs," the report, titled Economic and Social Survey of Asia and the Pacific 2026, said.

It said in India, economic activities moderated in the second half of 2025 as exports to the United States declined by 25% following the introduction of 50% tariffs in Aug 2025. The services sector remained a key growth driver. Inflation for the country is projected to be 4.4% this year and 4.3% in 2027. The report said that FDI inflows to developing Asian and Pacific economies declined amid trade tensions and geopolitical uncertainty. After an increase of 0.6% in 2024, FDI to the region declined by 2% in 2025, even as global flows increased by 14%.

"Within the Asia-Pacific region, the countries that attracted the largest share of greenfield FDI in the first three quarters were India, Australia, the Republic of Korea and Kazakhstan with $50 billion, $30 billion, $25 billion and $21 billion in announced investments, respectively," it said.

INFLATION PROJECTED TO BE 4.4% THIS YEAR

It further said that personal remittances, sent by Asian and Pacific workers employed outside of their home countries, continued to rise, cushioning the impact of vulnerable domestic employment conditions. Remittances have helped sustain the consumption of many households, but are facing headwinds.

In India and the Philippines, about 40% of the transfers are used for essential spending, including medical expenses, of recipient households. "However, as the world's largest remittance recipient of $137 billion in 2024, India could face a sizeable loss as the US has levied a 1% tax on all remittances since January 2026," it said.

The report also cited estimates by the International Renewable Energy Agency (IRENA) that suggested that there were around 16.6 million green jobs globally, with annual job creation of around 0.3 million between 2012 and 2024, 7% annual growth.

Out of these 16.6 million jobs, 7.3 million were in China, 1.3 million in India and 2.5 million in the rest of Asia — 44%, 8% and 15% of the global total, respectively. "Govts can leverage the energy transition to an environmentally sustainable economy to foster new domestic industries and build supportive constituencies," it said.

It noted that public investment and targeted industrial policies can accelerate the emergence of beneficiaries such as renewable manufacturers, grid developers, storage providers and green industrial clusters. The report cited India's production-linked incentive scheme, saying it illustrates how macroeconomic policy can foster green industrial development through incentives for domestic manufacturing of solar photovoltaic, batteries and green hydrogen, reducing import dependence while creating new industrial beneficiaries with a vested interest in sustaining the transition.

"Across developing economies in Asia and the Pacific, targeted industrial policies are being used to scale clean technology manufacturing and accelerate the energy transition. Initiatives include India's Production Linked Incentive scheme for high-efficiency solar modules, China's strategic subsidies for electric vehicle battery manufacturing," it said. AGENCIES

Nestle India Q4 profit up 27% at ₹1,111cr

New Delhi: FMCG major Nestle India on Tuesday reported a 27.2% rise in consolidated net profit at Rs 1,110.9 crore for the March quarter of FY26, boosted by record domestic sales.

The company had posted a consolidated net profit of Rs 873 crore in the year-ago period, Nestle India said in a regulatory filing.

Revenue from operations in the fourth quarter stood at Rs 6,748 crore as against Rs 5,504 crore in the year-ago period. Total income, which includes other income, surged 22.7% to Rs 6,766 crore in the March quarter.

Total expenses were 21% higher at Rs 5,217 crore compared to the year-ago period.

"Nestle India delivered high double-digit growth and recorded its highest-ever domestic sales, at Rs 6,445 crore. This performance was powered by double-digit volume growth, driven by over 50% increase in advertising spends, whilst delivering a healthy EBITDA margin of 26.3%," the company's chairman and managing director Manish Tiwary said. Nestle India's total sales, including exports, were at Rs 6,724 crore in the March quarter, up 23.4% year-on-year. AGENCIES

Gen Z churn fuels GCC backfilling surge: Report

Times News Network

Bengaluru: High attrition among Gen Z employees is driving a surge in backfilling across India's global capability centre (GCC) ecosystem, even as overall hiring demand witnesses a sharp rebound.

A report by Quess Corp shows Gen Z tenure has dropped below 24 months, with companies facing a 40% replacement hiring rate—meaning nearly two in five roles are being refilled rather than newly created.

The churn is most visible in high-demand tech roles, where young professionals are switching jobs rapidly for better pay, faster career progression and exposure to cutting-edge AI work. This has created a continuous cycle of hiring, training and replacement, adding pressure on companies already grappling with talent shortages.

GCC hiring saw a sharp recovery in the March quarter of FY26, with headcount expansion rising 12-14% quarter-on-quarter, more than double the 4-6% growth in the previous quarter.

REPLACEMENT HIRING SPIRALS

Attrition surge
- Gen Z tenure falls below 24 months
- 40% hiring is replacement hiring
- 2 in 5 roles are refilled, not new

GCC hiring rebound
- Hiring up 12-14% QoQ in Q4 FY26
- Recovery led by AI-led transformation

Skills in highest demand
- 60% demand in AI, data, platform roles
- 38-42% talent gap in AI & analytics
- Strong demand for GenAI, ML Ops, cloud

The report showed that India's GCC base expanded alongside hiring, with 2,150-2,200 active centres currently operational and the workforce projected to reach 2.5-2.7 million by 2030.

The rebound is being driven by a shift toward AI-led transformation, platform engineering and infrastructure modernisation. Nearly 60% of new demand is concentrated in AI, data and platform skillsets. "The simultaneous growth in demand and ecosystem scale confirms that Q4 was not a seasonal uptick, but the beginning of a sustained recovery," said Kapil Joshi, CEO of Quess IT Staffing.

Professional and shared services led the growth with a 16% sequential expansion. Real estate, infrastructure and security emerged as the fastest-growing segment at around 18%, followed by construction and engineering at about 15%. Hospitality, travel and logistics continued their recovery with 13% growth, while telecom and media saw a relatively moderate 9% rise.

Large core sectors also re-entered the growth cycle. BFSI grew around 10% QoQ, while manufacturing, automotive and energy expanded about 12%, supported by cyclical recovery and digital investments.

Technology and hardware hiring rose roughly 11%, and retail and e-commerce recorded about 13% growth.

Contract workers face job loss risks on fuel, input supply woes

Rupali.Mukherjee
@timesofindia.com

New Delhi: Fuel and raw material supply constraints, which have forced shutdowns in certain segments of manufacturing, especially small businesses, may hurt contractual and gig workers.

Some signs of strain are visible in certain sectors, including steel, automotive, textiles, pharma, medical devices as fuel supply, input cost and availability (shortage) bite into operations, industry representatives and HR experts told TOI. Restaurants, quick service restaurants (QSRs) and cloud kitchens are also feeling the heat, with the LPG crisis forcing many to curtail operations or shut down temporarily.

The disruption has forced larger players to halt operations and switch to alternate fuels, according to stock exchange filings by certain companies. Kirloskar Ferrous Industries resumed one of its plants on March 21 after an LPG-driven shutdown, while Jubilant FoodWorks, which operates Domino's, is accelerating a shift to electricity and piped natural gas.

While no hard data is available yet on the scale of job losses, multiple companies and industry experts across sectors confirmed the trend.

"Supply chain disruptions triggered by the LPG crisis are beginning to hit a wide swathe of MSME clusters and labour-intensive sectors. Small and medium automotive component makers, critical to the car industry's supply chain, are among those worst affected, given their dependence on gas. Ceramics hubs, such as Khurja and glass clusters like Firozabad, have seen production slowdowns and even shutdowns, while operations in Agra's units are impacted. Glass, packaging, paints and plastics are facing supply shortages, with a cascading effect on downstream industries, including automobile and pharma. In Moradabad's brassware cluster and Coimbatore's small foundries, rising input costs and weak demand, particularly for pumps and cast iron components, are compounding the stress. The textiles sector, too, is grappling with higher fuel costs," said Ashok Saigal, chairman of CII National MSME Council.

FEELING THE HEAT

- Some sectors such as steel, automotive, textiles, pharma are showing signs of strain
- Fuel supply, input cost and raw material shortage are affecting operations, say industry representatives and HR experts
- LPG crisis is forcing many restaurants, quick service restaurants and cloud kitchens to curtail operations or shut down temporarily

- Foundry units in the south have operated at nearly 50% capacity in March
- Paint cluster in Aurangabad is also facing disruptions

"Ceramics hubs, such as Khurja and glass clusters like Firozabad, have seen production slowdowns and even shutdowns, while operations in Agra's units are impacted... In Moradabad's brassware cluster and Coimbatore's small foundries, rising input costs and weak demand, particularly for pumps and cast iron components, are compounding the stress. The textiles sector, too, is grappling with higher fuel costs" —CII NATIONAL MSME COUNCIL

Foundry units in the south operated at nearly 50% capacity during March, while the paint cluster in Aurangabad were also disrupted. Adding to the strain is migrant labour distress, with LPG (cooking gas) cylinder refill costs surging from around Rs 150 to Rs 450 per kg, many workers are opting to return to their villages, deepening labour shortages, he added.

The pressure is equally visible in India's gig economy. The gig workforce is estimated at around 1.2 crore, a majority concentrated in last-mile delivery and those with cab aggregators, making this segment particularly sensitive to both demand shocks and workforce fluctuations, says Balasubramanian A, senior VP with TeamLease Services, an HR firm. "Platforms are likely to push toward multi-category roles for workers, reducing dependence on a single segment like food delivery. Also, during elections, harvest seasons and key festivals, a section of workers typically returns to home states, further tightening availability. With polls this month in several states, this (labour) pool could get tightened," he said.

"While no immediate structural change is expected from companies, gig workers are already adversely impacted by the slowdown in operations," says Sonal Agrawal, managing partner, Accord India/AltoPartners.

Organisations are currently moving beyond reactive measures toward a more resilient recalibration of their workforce models, particularly within the gig and delivery ecosystems, says Yeshab Giri, chief commercial officer, operational talent solutions, Randstad India, a talent company.